Question :- What do you mean by interview method? Describe its merits and limitation?

Ans :- सोशियो कार्यों में साक्षात्कार प्रविधि का स्थान सर्वोपरि है। क्योंकि जब समस्या आती है तो व्यक्ति की भावनाओं मनोवृत्तियों प्रवृत्तियों और उद्देश्यों का अध्ययन किस प्रकार किया जाए। तो देखा गया कि साक्षात्कार विधि ही एक मात्र विधि थी कि इन सारे समस्याओं का समाधान हो सकता है। इस विधि की एक मुख्य विशेषता यह है कि इसमें अनुसंधान कर्ता और सूचनादाता एक दूसरे के सामने सामने सम्बन्ध स्थापित कर वार्तालाप करके मनुष्य की भावनाओं एवं मनोवृत्तियों का क्रमबद्ध अध्ययन कर सकता है। इस विधि के प्रयोग एवं सामाजिक विज्ञानों के अनुसंधानों में ही सम्भव है। क्योंकि सामाजिक अनुसंधान का सम्बन्ध जीवित वस्तुओं से होता है। इसप्रकार इसके परिभाषा के सम्बन्ध में P. V. young का कहना है कि "The interview may be regard as a systematic method by which one person enters more or less imaginatic-ely into the inner life of anothe who is generally a comparative stranger to him" ठीक इसी प्रकार V.M. palmer का कहना है कि "The interview ~~consists~~ constitues a social situation between two persons the psychological process involved requiring both individuals mutually respond

though the social research purpose of the Interview calls for a very different response from the two parties concerned."

इन परिभाषाओं के अध्ययन के बाद हम कह सकते हैं कि साक्षात्कार व्यक्तिगत सम्पर्क द्वारा सूचना एकत्रित करने एवं इनके विश्लेषण की एक शैली अथवा विधि है जिसमें दो या दो से अधिक व्यक्ति किसी विशिष्ट उद्देश्य को सामने रखकर परस्पर आमने सामने होकर बातचीत, सम्पर्क या उत्तर प्रतिउत्तर करते हैं। इसप्रकार इस परिभाषा का अध्ययन करते हैं तो इस विधि में निम्नलिखित विशेषताएं देखने को मिलता है।

① दो या दो से अधिक व्यक्ति :-

साक्षात्कार विधि की मुख्य विशेषता है कि इसमें दो या दो से अधिक व्यक्ति का निकटतम सम्पर्क एवं वार्तालाप हो।

② आमने सामने का प्राथमिक सम्बन्ध :-

इस विधि में आमने-सामने के प्राथमिक सम्बन्ध स्थापित किए जाते हैं।

③ विशिष्ट उद्देश्य :-

दो या दो से अधिक व्यक्तियों के आमने सामने का सम्बन्ध किसी विशिष्ट उद्देश्य को ध्यान में रखकर ही स्थापित किये जाते हैं।

④ सामग्री संकलन :- इस प्रविधि द्वारा सामाजिक अनुसंधानो एवं सामाजिक अध्ययन हेतु सामग्री का संकलन

Scanned with CamScanner

किया जाता है।

अब प्रश्न उठता है कि इस विधि का क्या महत्व है या इसमें कौन-कौन से गुण या दोष है तो सबसे पहले हम इस विधि के महत्व या गुण पर अपना ध्यान देना चाहेंगे। तो इस विधि का महत्व इसलिए काफी है कि यह विधि ही एकमात्र विधि है जिसके द्वारा सामाजिक घटना का अध्ययन सम्भव है इसलिए Goode and Hatt का कहना है कि "Interview has become of greater importance in contemporary because of the reassessment of the qualitative interview."

इस विधि के महत्व को या गुण को निम्नलिखित प्रकार से प्रस्तुत कर सकते हैं -

(1) सभी प्रकार के सूचनाओं का संकलन :

इस विधि का मुख्य गुण यह है कि इस विधि द्वारा सूचनाओं का सीधे प्रायः सभी प्रकार के सम्बन्धित व्यक्तियों से संकलन रूप से सम्भव होता है जैसे शैक्षिक सूचना प्राप्त करना हो तो शिक्षा विभाग के व्यक्तियों से साक्षात्कार किया जा सकता है।

(2) अमूर्त एवं अदृश्य घटनाओं का अध्ययन :

इसका दूसरा गुण यह है कि इस विधि द्वारा अनेकों अमूर्त एवं अदृश्य घटनाओं का अध्ययन भी सम्भव हो जाता है जैसे व्यक्तिगत धारणायें, भावनायें, संवेगों, विचार आदि ऐसी अनेक अमूर्त घटनायें हैं जो कि हमारी क्रियाओं का संचालन एवं निर्धारण

Scanned with CamScanner

करती है साक्षात्कार विधि द्वारा साक्षात्कारदाता से सूचनायें प्राप्त की जा सकती है

③ **भूतकालीन घटनाओं का अध्ययन :-**
साक्षात्कार विधि द्वारा भूतकालीन घटनाओं एवं अनेक प्रभावों का भी अध्ययन किया जा सकता है क्योंकि मानव-जीवन में इस प्रकार की अनेक घटनायें एवं परिस्थितियाँ होती है जो कि काफी समय पूर्व हि घट चुकी होती है और इनकी पुनरावृत्ति सम्भव नहीं होता है परन्तु सामाजिक जीवन के सम्पूर्ण अध्ययन के लिए उन घटनाओं का अध्ययन आवश्यक हो सकता है तो ऐसी परिस्थिति में साक्षात्कार विधि हि एकमात्र विकल्प बच जाता है

④ **व्यक्ति मनोवैज्ञानिक अध्ययन :-**
हम जानते है कि व्यक्ति की अनेक घटनायें होती है विचार एवं उद्देश्य होते हैं जिनका आधामी से अध्ययन सम्भव नहीं है परन्तु साक्षात्कार विधि द्वारा मनोवैज्ञानिक रीति से इन सबका अध्ययन अच्छी प्रकार से हो जाता है साक्षात्कार करते समय साक्षात्कारकर्ता साक्षात्कारदाता के मानसिक भावों के उतार चढ़ाव का भी अध्ययन करता है साथ हि अनेक मनोवैज्ञानिक प्रश्न पूछकर उनके दिल की बात जिसे कि वे नहीं बताना चाहते हैं उसे निकालने का भरसक प्रयत्न करता है और काफी सीमा तक सफल भी हो जाता है

⑤ **पारस्परिक प्रेरणात्मक अध्ययन :-**
इस तरीके में

Scanned with CamScanner

कम से कम दो व्यक्ति की आवश्यकता होती है। इन दोनों के विचारों का आपस में आदान-प्रदान होता रहता है। ये दोनों एक दूसरे से प्रेरित एवं उत्साहित होते रहते हैं। परस्पर प्रेरणा के मिलने के कारण एक दूसरे के मन की बात जल्द प्रकट हो जाती है। परस्पर बातचीत से सम्बन्धीत विषय के नवीन पहलू सामने आते हैं जो कि अध्ययन को एक नया मोड प्रदान करते हैं।

(6) सूचनाओं का सत्यापन सम्भव :-

इस विधि द्वारा प्राप्त सूचनाओं का सत्यापन संभव होता है इसका मुख्य कारण है कि आपसी विचारों का स्वतंत्रतापूर्वक स्पष्टीकरण किया जाता है क्योंकि प्रश्नों का उत्तर संक्षिप्त नहीं होता है। इसलिये प्राप्त सामग्री अधिक विश्वसनीय होती है।

दोष Limitation.

इस विधि में अधिक गुण होते हुए भी अन्य विधि के भाँति इसमें भी अनेक दोष देखने को मिलता है जो निम्नलिखित है।

(1) व्यक्तिगत पक्षपात :-

इस विधि का मुख्य दोष है कि इस विधि द्वारा व्यक्तिगत पक्षपात का समावेश होने की अधिक सम्भावना होती है इसलिए सामग्री की विश्वसनीयता बराबर संदिग्ध रहती है। सूचनादाता तो अपने भाव एवं पक्षपात मिश्रित सूचना प्रदान करता है।

(2) साक्षात्कारदाता पर निर्भरता :-

इस विधि में हमें

साक्षात्कारदाता पर पूर्ण रूप से निर्भर होना पड़ता है। इसमें तो पहली बात है कि साक्षात्कारदाता को साक्षात्कार के लिए राजी करना। यदि साक्षात्कारदाता साक्षात्कार के लिए तैयार हो भी जाता है तो व्यक्ति कोई हि पसन्द करता है। यदि किसी से प्रेम विवाह आदि के बारे में पूछा जाए तो वह बताने से इन्कार कर सकता है। इसलिए इस विधि का सबसे बड़ा दोष है कि साक्षात्कार के साक्षात्कारदाता पर निर्भर होना पड़ता है।

(3) समस्या शक्ति पर निर्भरता :-

इस विधि का एक दोष यह भी है कि इस विधि में पूर्ण रूप से साक्षात्कार कर्ता को अपनी समस्या शक्ति पर निर्भर होना पड़ता है क्योंकि साक्षात्कार लेते समय साक्षात्कारकर्ता इस स्थिति में नहीं होता है कि वह सभी सूचनाओं को नोट कर सके। वह साक्षात्कार समाप्त करने के बाद सूचनाओं को लिखता है परन्तु इस समय अनेक बातों को भूल भी जाता है और गलत भी नोट कर लेता है जो निष्कर्ष में त्रुटि पैदा कर देता है।

(4) हीन भावना :-

इस विधि का दोष है कि साक्षात्कार विधि में साक्षात्कारकर्ता में अक्सर हीन भावना आ जाती है। क्योंकि साक्षात्कार के लिए अनेक व्यक्तियों के सामने जाना पड़ता है और इस प्रक्रिया में व्यक्ति उससे तरह-तरह के व्यवहार करते हैं इन व्यवहारों के कारण उनमें

Scanned with CamScanner

हीन भावना पनप जाती है। हीन भावना का असर सूचना संकलन पर पड़ता है। अनेक सूचनाओं का संकलन छोड़ देता है। जो कि अध्ययन के लिए हानिकारक होता है।

⑤ अशुद्ध रिपोर्ट :- इस विधि का दोष है कि इसमें अनेक प्रकार के पक्षपात भावनाओं व्यक्तिगत विचारों के समाविष्ट होने के कारण साक्षात्कारकर्ता द्वारा लिखी गई report में अशुद्ध की मात्रा अत्यधिक होती है।

⑥ कुशल साक्षात्कारकर्ता की समस्या :- साक्षात्कार विधि के लिए कुशल साक्षात्कारकर्ता की आवश्यकता होती है। साक्षात्कार कर्ता को उच्चतम योग्यता होना चाहिए साथ हि मनोवैज्ञानिक भी होना चाहिए। इन सब गुणों के होने पर ही साक्षात्कार में सफल हो सकता है। अगर ऐसा नहीं होता है तो साक्षात्कार सफल नहीं होता है। और संकलीत तथ्य अप्रमाणिक होता है। अविश्वसनीय तथा असत्य होते हैं।

⑦ अत्यधिक समय की आवश्यकता :- इस विधि का सबसे बड़ा दोष यह है कि इस विधि में अधिक समय की आवश्यकता होती है। साक्षात्कारकर्ता को अनेक व्यक्तियों में साक्षात्कार करना पड़ता है। साक्षात्कारदाता के पास बहुत बार जाना पड़ता है और साक्षारदाता अपनी आवश्यक बातें कहने में अधिक समय बर्बाद कर देता है। इसप्रकार इस विधि में अधिक

समय नष्ट करना पड़ता है।

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि प्रत्येक वस्तु में कुछ गुण के साथ-साथ कमियाँ भी पायी जाती है जो कि उसके महत्व को एक प्रकार से बढ़ाती ही है। क्योंकि जिसमें कमी होगी उसी में सुधार एवं विकास होगा। इसी प्रकार इस विधि में छोटे-छोटे विकास हो रहा है और छोटे-छोटे सामाजिक अनुसंधान की अत्यधिक महत्वपूर्ण प्रणाली के रूप में स्वीकृति मिलती जा रही है।

Scanned with CamScanner